राज्यपाल सचिवालय
राजभवन जयपुर

कला और कलाकारों का सम्मान भारतीय संस्कृति की परम्परा– राज्यपाल

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय ने श्री अरुण योगीराज को दी पीएचडी की मानद उपाधि

जयपुर/बीकानेर, 15 अप्रैल। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि कला और कलाकारों का सम्मान भारतीय संस्कृति की परम्परा रही है। शिल्पी श्री अरुण योगीराज को पीएचडी की पहली मानद उपाधि प्रदान कर महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय ने इस परंपरा का बेहतर निर्वहन किया है।

राज्यपाल ने मंगलवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में श्री अरुण योगीराज के मानद उपाधि सम्मान कार्यक्रम के दौरान यह बात कही।

राज्यपाल ने कहा कि श्री योगीराज इस उपाधि के लिए सर्वथा योग्य हैं। श्री योगीराज ने अत्यंत कम उम्र में शिल्प की गहरी साधना की है। उन्होंने कहा कि अयोध्या के श्रीराम मंदिर में श्री योगीराज द्वारा बनाई गई मूर्ति जीवंत है। उन्होंने श्री योगीराज के कला कौशल्य की सराहना की और कहा कि हमारे देश में हजारों वर्षों से अच्छी मूर्तियां बनाने की परंपरा रही है। आज भी देश और प्रदेश में ऐसे कलाकार हैं, जिनकी कला को बेहतर पहचान मिली है।

राज्यपाल ने कहा कि श्री योगीराज सिर्फ एक मूर्तिकार नहीं बल्कि भारतीय शिल्प कला की समृद्ध परंपरा के जीवंत प्रतीक हैं। श्री योगीराज ने मूर्तिकला की विरासत को अपनाया और इसे नई ऊंचाइयां दी।

राज्यपाल ने कहा कि श्री योगीराज को दिए गए अभिनंदन पत्र को विश्वविद्यालय में भी प्रदर्शित किया जाए, जिससे युवा विद्यार्थियों को प्रेरणा मिले और वे भी इनका अनुसरण कर सकें।

मानद उपाधि प्राप्त करने के पश्चात श्री अरुण योगीराज ने कहा कि यह भारत की समृद्ध कला परंपरा का सम्मान है। उन्होंने कहा कि वह पांच पीढ़ियों से शिल्प की साधना कर रहे हैं।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने कहा कि श्री योगीराज ने लोह पथ पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस, केदारनाथ में आदि शंकराचार्य, अमरनाथ में नंदी की प्रतिमा भी बनाई। उन्होंने कहा कि योगीराज ऐसे ऋषि हैं, जिन्होंने अपनी शिल्पकला के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत की संजीता और मूल्यों को विशेष पहचान दी है।

इससे पहले राज्यपाल ने श्री अरुण योगीराज को पीएचडी की मानद उपाधि प्रदान की।

ऊँटनी का दूध अमृत तुल्य, ऊँटपालकों को मिले इसका उचित मूल्य– राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे

राज्यपाल ने उष्ट्र अनुसंधान केंद्र का किया अवलोकन

जयपुर/बीकानेर, 15 अप्रैल। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को बीकानेर स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र का अवलोकन किया।

राज्यपाल ने यहां के उष्ट्र संग्रहालय का भ्रमण किया। यहां ऊँटों की विविध नस्लों, ऊँटों के बहुआयामी उपयोग, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में ऊँटों के योगदान, उष्ट्र व्यवहार तथा लक्षण, उष्ट्र दुग्ध तथा उष्ट्र पर्यटन संबद्ध गतिविधियों की सामग्री का अवलोकन किया। श्री बागडे ने ऊँट के बाल, खाल व हड्डी से बने विभिन्न उत्पादों को देखा। इस दौरान राज्यपाल ने ऊंटनी के दूध से बनी लस्सी का स्वाद भी चखा। उन्होंने केन्द्र द्वारा ऊँटनी के दूध पाउडर की सराहना की। राज्यपाल ने उष्ट्र सवारी स्थल का भ्रमण किया तथा उष्ट्र पालकों से संवाद भी किया।

राज्यपाल ने प्रदेश में ऊँटनी के दूध की आपूर्ति के बारे में जानकारी ली और कहा कि राजस्थान को–ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के माध्यम से ऊँटनी के दूध को और अधिक बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जिससे यह उपभोक्ताओं के लिए सुलभ हो सके। उन्होंने केन्द्र के अनुसंधान कार्यों के बारे में जाना और उष्ट्र संरक्षण व विकास के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीक
MGSU

ऊँट राजस्थान की शान
ऊँट के बालों का मूल्य संवर्धन
ऊँट का आवास एवं व्यवहार

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
GSU

NATIONAL RESEARCH CENTRE ON CAMEL, BIKANER

विश्वविद्यालय, बीकानेर
समारोह
Rajasthan University of Veterinary and Animal Sciences, Bikaner
RAJUVAS
RAJUVAS

ऊँट राजस्थान की शान
ऊँट के बालों का मूल्य संवर्धन
ऊँट का आवास एवं व्यवहार

महाराजा
विश्वविद्यालय, बीकानेर
MGSU

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय
मानद
MGSU

महाराजा
सिंह विश्वविद्यालय
GSU